अध्याय 10

दिल्ली में पर्यटन

देश के समृद्ध अतीत और फलते–फूलते वर्तमान का प्रतीक, दिल्ली एक ऐसा शहर है जहां प्राचीनता और आधुनिकता का मिश्रण हैं। यह एक ऐसी जगह है जो न केवल आपकी नब्ज को छूती है बल्कि इसे उन्मत्त गति से भी तेज कर देती है। लाखों सपनों का घर, यह शहर लोगों को करीब लाने और उनके विचारों को प्रेरित करने के लिए सपनों को साकार करने की अभूतपूर्व जिम्मेदारी उठाता है।

दिल्ली पांच शताब्दियों से अधिक समय से राजनीतिक उथल–पुथल की गवाह रही है और लोधी से लेकर मुगलों तक की एक अनूठी विरासत है। मूल रूप से बहुमुखी, दिल्ली अपने आप में एक सूक्ष्म जगत है, जो सच्चे अखिल भारतीय चरित्र को आश्रय देता है; यह सभी के लिए एक अविश्वसनीय गंतव्य स्थान है। पुरानी हवेलियां और अतीत की इमारतें खामोश खड़ी हैं लेकिन उनकी खामोशी उनके मालिकों और सदियों पहले यहां रहने वाले लोगों के लिए भी बहुत कुछ कहती है।

सभी धर्मों और विभिन्न आस्थाओं के आध्यात्मिक केंद्रों का शांतिपूर्वक एक साथ एक आदर्श स्थिति है। दिल्ली एक बहुसांस्कृतिक महानगर है। यह शहर स्मारकों, संग्रहालयों, तीर्थस्थलों से लेकर आधुनिक बाजारों और पाक–कला में अनुभवों तक के कई पर्यटक आकर्षण प्रदान करता है।

1.1 आधुनिक दिल्ली के सामान्य पर्यटक आकर्षणों के अलावा–इंडिया गेट, राष्ट्रपति भवन, संसद भवन, नॉर्थ और साउथ ब्लॉक–जो ब्रिटिश वास्तुकला के आश्चर्यजनक उदाहरण हैं और विभिन्न संग्रहालय, मंदिर तथा स्मारक जो दिल्लीवासियों के जीवन में एक व्यापक और मनोरंजकअंतदृष्टि प्रदान करते हैं।

राष्ट्रीय संग्रहालय, किसी भी अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय के समान, आधुनिक दिल्ली में घूमने के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान है। यहां, आप प्राचीन काल से लेकर मध्य युग तक, भारत के समृद्ध ऐतिहासिक अतीत की झलक देख सकते हैं।

राष्ट्रीय युद्ध स्मारक (एनडब्ल्यूएम), प्रतिष्ठित अमर जवान ज्योति, जिसका उद्घाटन 1971 में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम के बाद किया गया था, राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में लौ के साथ विलीन कर दी गई है। राष्ट्रीय युद्ध स्मारक नागरिकों की जीत और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। यह एक राष्ट्रीय स्मारक है जिसे स्वतंत्र भारत के सशस्त्र संघर्षों में लड़ने वाले भारतीय सेना के सैनिकों को सम्मानित करने और याद करने के लिए बनाया गया है।

1.2 धर्म की अभिव्यक्ति, चाहे वह अक्षरधाम मंदिर हो, लोटस टेम्पल, गुरुद्वारा बंगला साहिब, जामा मस्जिद या कैथेड्रल चर्च ऑफ द रिडेम्पशन, में दिल्ली की बहुआयामी संस्कृति संजोई गई है। दिल्ली को एक सांस्कृतिक गंतव्य के रूप में भी पहचान मिल रही है। दिल्ली पर्यटन के प्रमुख त्योहार–अर्थात, अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव, जादू महोत्सव, इत्र तथा सुगंधी मेला, आम महोत्सव, दिल्ली–के–पकवान और उद्यान पर्यटन महोत्सव दिल्ली की सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न अंग बन गए हैं।

1.3 समूचा शहर शुरू से अंत तक व्यापक मेट्रो और बस नेटवर्क के माध्यम से जुड़ा हुआ है, जिसे सीएनजी ऑटो और कैब सेवाओं के माध्यम से सुलभ बनाया गया है, दिल्ली निस्संदेह एक शानदार शहर है। नए रोडवेज और फ्लाईओवर ने कनेक्टिविटी में सुधार किया है, जिनमें से नवीनतम सिग्नेचर ब्रिज है, जो दिल्ली पर्यटन की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिसे वजीराबाद में बनाया गया है और यातायात के लिए खोला गया है। दिल्ली पर्यटन, यथास्थिति को बदलने और यह सुनिश्चित करने के मिशन पर है कि यह एक विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल और कला, संस्कृति, संगीत, रंगमंच, फिल्म तथा मनोरंजन में अग्रणी बने।

1.4 दिल्ली वह शहर है जो बैकपैकर्स, धार्मिक तथा स्वास्थ्य पर्यटन, पारिवारिक छुट्टियां मनाने वालों से लेकर लक्जरी यात्रा करने वालों तक, सभी का स्वागत करता है। भारत में कई गंतव्यों को पारिवारिक अवकाश गंतव्य के रूप में नहीं रखा जा सकता है लेकिन दिल्ली भारत के उन कुछ गंतव्यों में से एक है जो बच्चों के लिए भी उतना ही मजेदार है। राष्ट्रपति भवन का मुगल गार्डन और दिल्ली में बड़ी संख्या में खूबसूरत पार्क पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखते हैं। दिल्ली का मौसम साल भर 5 डिग्री सेल्सियस से 45 डिग्री सेल्सियस तक बदलता रहता है, दिल्ली में बारिश भी भरपूर होती है, इसलिए हर तरह के लोग अलग–अलग मौसम में दिल्ली का आनंद ले सकते हैं। सर्दियों में दिल्ली बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षियों का घर बन जाता है जो पर्यावरण–पर्यटन कोण को जोड़ते हैं।

2. दिल्ली पर्यटन का कार्य–निष्पादन

2.1 भारत की राजधानी विदेशी और घरेलू दोनों प्रकार के पर्यटकों के लिए प्रमुख आगमन स्थलों में से एक है। यह राज्य देश के शीर्ष पर्यटन स्थलों में से एक है। 2020 के दौरान दिल्ली में लगभग 8.12 लाख (29.59 प्रतिशत) विदेशी पर्यटकों के आगमन (एफटीए) को भारत पर्यटन सांख्यिकी के अनुसार, एक नजर–2021 में दर्ज किया गया है। 2020 में भारत में विदेशी पर्यटकों के आगमन (एफटीए) की राज्य/केंद्रशासित प्रदेशवार संख्या विवरण 10.1 में दी गई है:

विवरण 10.1
2020 में भारत में आने वांले विदेशी पर्यटकों (एफटीए) के लिए शीर्ष 8 अंतर्राष्ट्रीय चेक पोस्ट

क्र.सं.	अंतर्राष्ट्रीय चेक पोस्ट	एफटीए	प्रतिशत हिस्सा
1	दिल्ली	8,12,196	29.59
2	मुंबई	4,01,430	14.63
3	चैन्नई	1,82,412	6.65
4	हरिदासपुर	2,39,746	8.73
5	बंगलूरू	1,52,497	5.56
6	कोलकाता	1,24,261	4.53
7	हैदराबाद	74,767	2.72
8	कोच्ची	85,444	3.11
	कुल शीर्ष 8	20,72,753	72.4
	अन्य	6,72,013	27.6
	कुल जोड़	27,44,766	100

स्रोतः भारत पर्यटन सांख्यिकीः एक नजर–2021, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार

2.2 वर्ष 2020 में भारत में विदेशी पर्यटकों की राज्य/केंद्रशासित प्रदेशवार यात्राओं की संख्या विवरण 10.2 में दी गई है:

विवरण 10.2
2020 में विदेशी पर्यटकों की संख्या में भारत के शीर्ष 10 राज्यों/ केंद्रशासित प्रदेशों की हिस्सेदारी

रैंक	राज्य/कें. शा. प्र.	2020 में विदेशी पर्यटकों की संख्या	
		संख्या	प्रतिशत हिस्सा
1	महाराष्ट्र	12,62,409	17.60
2	तमिलनाडु	12,28,323	17.10
3	उत्तर प्रदेश	8,90,932	12.40
4	दिल्ली	6,81,230	9.50
5	पश्चिम बंगाल	4,63,285	6.50
6	राजस्थान	4,46,457	6.20
7	पंजाब	3,59,114	5.00
8	केरल	3,40,755	4.80
9	बिहार	3,08,080	4.30
10	गोवा	3,02,751	4.20
	शीर्ष 10 का कुल योग	**62,83,336**	**87.60**
	अन्य	8,88,433	12.40
	कुल	**71,71,769**	**100**

स्रोतः भारत पर्यटन सांख्यिकी : एक नजर–2021, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार

उपरोक्त तालिका से देखा जा सकता है कि दिल्ली ने 2020 में कुल विदेशी पर्यटक यात्राओं में 9. 50 प्रतिशत की कुल हिस्सेदारी के साथ चौथा स्थान हासिल किया।

चार्ट 10.1

2020 में विदेशी पर्यटक यात्राओं का प्रतिशत हिस्सा

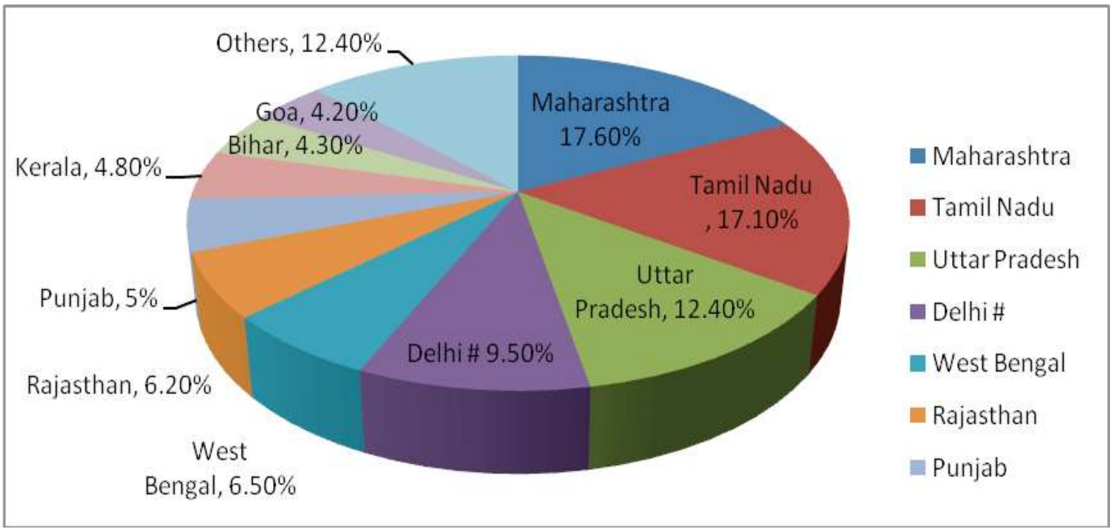

2.3 राजधानी शहर के भीतर और आसपास कुछ विख्यात विरासत स्थलों का दावा करती है। दिल्ली को पर्यटन क्षेत्र से भी आय अर्जित होती है। दुनिया भर से पर्यटक न केवल राजधानी बल्कि उसके आसपास के इलाकों में घूमने के लिए दिल्ली आते हैं। दिल्ली में इसके विश्व स्तरीय अस्पतालों का लाभ लेने के लिए चिकित्सा पर्यटकों की संख्या भी बढ़ रही है।

2.4 दिल्ली हवाईअड्डे को 2020 में भारत से भारतीय नागरिकों की रवानगी के लिए अंतर्राष्ट्रीय चेक पोस्ट के वास्ते कुल 24.50 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ पहला रैंक मिला। 2020 में भारत से भारतीय नागरिकों के प्रस्थान के लिए शीर्ष 10 अंतर्राष्ट्रीय चेक पोस्ट की संख्या और प्रतिशत हिस्सेदारी विवरण 10.3 में दी गई है

विवरण 10.3

2020 में भारत से भारतीय नागरिकों के प्रस्थान के लिए शीर्ष 10 अंतर्राष्ट्रीय चेक पोस्ट

क्र.सं.	अंतर्राष्ट्रीय चेक पोस्ट	भारत	प्रतिशत हिस्सेदारी
1	दिल्ली हवाई अड्डा	17,89,762	24.50
2	मुंबई हवाई अड्डा	12,66,726	17.40
3	कोचीन हवाई अड्डा	5,92,351	8.10
4	चेन्नई हवाई अड्डा	5,49,255	7.50
5	कालीकट हवाई अड्डा	4,57,160	6.30
6	हैदराबाद हवाई अड्डा	4,47,007	6.10
7	बैंगलूरू हवाई अड्डा	3,99,089	5.50
8	त्रिवेंद्रम हवाई अड्डा	29,27,163	4.00
9	कोलकाता हवाई अड्डा	2,07,163	2.80
10	त्रिची हवाई अड्डा	1,42,108	1.90
	कुल शीर्ष 10	**61,43,388**	**84.22**
	अन्य	11,51,178	15.78
	कुल योग	**72,94,566**	**100**

स्रोतः भारत पर्यटन सांख्यिकीः एक नजर–2021, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार

विवरण 10.4

जनवरी–मार्च 2020 के दौरान ई–पर्यटक वीजा का लाभ उठाने वाले विदेशी पर्यटकों के प्रमुख हवाईअड्डे–वार आगमन

क्र.स.	हवाई अड्डे का नाम	**2019**	प्रतिशत हिस्सेदारी	जनवरी–मार्च. 2020	पतिशत हिस्सेदारी
1	दिल्ली हवाई अड्डा	1230400	42.00	304599	36.40
2	मुंबई हवाई अड्डा	484694	16.60	130717	15.60
3	बंगलौर हवाई अड्डा	217549	7.40	50499	6.00
4	चेन्नई हवाई अड्डा	208155	7.10	57102	6.80
5	डैबोलिम हवाई अड्डा	171226	5.80	97533	11.60
6	कोचीन हवाई अड्डा	105197	3.60	33831	4.00
7	हैदराबाद हवाई अड्डा	83207	2.80	19109	2.30
8	कोलकाता हवाई अड्डा	81983	2.80	22757	2.70
9	तिरुचिरापल्ली हवाई अड्डा	55825	1.90	16960	2.00
10	अहमदाबाद हवाई अड्डा	38930	1.30	13912	1.70
	अन्य	251137	8.60	90702	10.80
	कुल	**2928303**	**100.00**	**837721**	**100.00**

स्रोतः भारत पर्यटन सांख्यिकीः एक नजर–2021, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार

उपरोक्त तालिका से यह स्पष्ट रूप से पता चलता है कि ई–पर्यटक वीजा का लाभ उठाने वाले विदेशी पर्यटकों के दस प्रमुख हवाईअड्डे–वार आगमन में, जनवरी–मार्च 2020 के दौरान दिल्ली का हिस्सा सबसे अधिक यानी 36.40 प्रतिशत है जो 2019 के दौरान 42 प्रतिशत था।

3. घरेलू पर्यटक

राज्य में आने वाले घरेलू पर्यटकों की संख्या भी दिल्ली में लगातार बढ़ रही हैः 2012 में यह लगभग 1.85 करोड़ थी, जो 2019 में बढ़कर 3.65 करोड़ हो गई (भारतीय पर्यटन सांख्यिकी, 2020)।

4. दिल्ली में पर्यटक स्थल

दिल्ली में पर्यटक आकर्षण स्थल हैंः अक्षरधाम मंदिर, आजाद हिंद ग्राम, लोटस टेम्पल, बिड़ला मंदिर, दिल्ली हाट, गार्डन ऑफ फाइव सेंस, हुमायूं का मकबरा, इंडिया गेट, इस्कॉन मंदिर, जामा मस्जिद, जंतर मंतर, लोदी मकबरा, कलाम मेमोरियल, संसद भवन , पुराना किला, कुतुब मीनार, राष्ट्रपति भवन, लाल किला, सफदरजंग मकबरा, गुरुद्वारा बंगला साहिब, गुरु तेग बहादुर स्मारक, राष्ट्रीय पुलिस स्मारक, राष्ट्रीय संग्रहालय, राष्ट्रीय युद्ध स्मारक।

4.1 दिल्ली में मनोरंजन स्थल

दिल्ली में मनोरंजन स्थल हैंः संग्रहालय, मूवी थिएटर, थिएटर तथा ऑडिटोरियम, पब और डिस्कोथेक, आर्ट गैलरी, एडवेंचर स्पोर्ट्स, गोल्फ, पार्क, बच्चों का मनोरंजन।

4.2 पर्यटक सूचना केंद्र

सूचना केंद्र दिल्ली में निम्नलिखित स्थानों पर हैं:

1. घरेलू हवाई अड्डा– टर्मिनल–1
2. नई दिल्ली रेलवे स्टेशन (पहाड़गंज)
3. कॉफी होम, कनॉट प्लेस
4. बाबा खड़क सिंह मार्ग
5. भारत सरकार का पर्यटन कार्यालय, जनपथ
6. दिल्ली हाट, आईएनए

4.3 उपलब्ध अवसंरचना

1. पर्यटक सूचना केंद्र
2. दिल्ली हाटः
   (i) आईएनए (ii) पीतमपुरा, (iii) जनकपुरी (आहार और शिल्प बाजार)
3. गार्डन ऑफ फाइव सेंसेज
4. एनएच–। में गुरु तेग बहादुर स्मारक
5. नेचर बाजार
6. कलाम स्मारक
7. कॉफी होम
8. आजाद हिंद ग्राम
9. राष्ट्रीय युद्ध स्मारक
10. असोला भाटी वन्य जीव अभ्यारण्य

दिल्ली हार्ट जनकपुरी

गार्डन ऑफ फाइव सेंसेज

एनएच–1 पर गुरू तेज बहादुर मेमोरियल

नेचर बाजार

कलाम मेमोरियल

असोला भाटी वन्य जीव अभायरण्य

कॉफी होम

4845.57 एकड़ में फैला असोला भाटी वन्यजीव अभयारण्य दक्षिण दिल्ली में तुगलकाबाद किले के पास स्थित है। वन्यजीव अभयारण्य को दिल्ली के महानगरीय शहर का सांस लेने वाला फेफड़ा माना जाता है। इसकी स्थापना 1992 में दिल्ली और सूरजकुंड (दिल्ली–हरियाणा सीमा) के बीच के क्षेत्र में वन्यजीवों की रक्षा के उद्देश्य से की गई थी।

5. प्रमुख संस्थान/निकायः

5.1 दिल्ली पर्यटन और परिवहन विकास निगम (डीटीटीडीसी)

पर्यटन क्षेत्र की प्रमुख योजनाएं डीटीटीडीसी द्वारा कार्यान्वित की जा रही हैं, जो कि 1975 में शामिल जीएनसीटीडी का एक उपक्रम है, जिसका मुख्य उद्देश्य दिल्ली में पर्यटन का विकास करना और बढ़ावा देना है।

5.2 दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी (डीआईएचएम एण्ड सीटी)

5.2.1 दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी की स्थापना 1983 में कश्मीरी गेट में एक फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट के रूप में की गई थी। होटल प्रबंधन खानपान प्रौद्योगिकी में तीन वर्षीय डिप्लोमा की पेशकश के लिए संस्थान को 1999 में राज्य होटल प्रबंधन संस्थान (एसआईएचएम) में अपग्रेड किया गया था और भारत के 40 छात्रों के साथ यह, पर्यटन मंत्रालय, सरकार के तहत एक शीर्ष निकाय 'होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी के लिए राष्ट्रीय परिषद' से संबद्ध किया गया था। । 2002–03 में संस्थान को फिर से एक डिग्री स्तर के कॉलेज में होटल और आतिथ्य प्रशासन में बी.एससी डिग्री के लिए अपग्रेड किया गया था। ।

5.2.2 वर्तमान में कॉलेज के विद्यार्थियों की कुल संख्या 528 है यानी बी.एससी (एचएचए) पाठ्यक्रम में 360 छात्र और पांच विषयों में अर्ध वर्षीय ट्रेड डिप्लोमा पाठ्यक्रम में 168 छात्र, जिसके लिए संस्थान तकनीकी शिक्षा बोर्ड, जीएनसीटीडी से संबद्ध है। डिग्री कोर्स एनसीएचएम एण्ड सीटी से संबद्ध है और डिग्री इग्नू द्वारा प्रदान की जाती है।

6. प्रमुख गतिविधियां:

6.1 पर्यटक सूचना केंद्र

- दिल्ली और उसके आसपास के पर्यटन स्थलों के बारे में जानकारीः पर्यटकों को स्मारक, संग्रहालय, शॉपिंग मार्केट, मनोरंजन के स्थान और आने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम, मेले और त्यौहार, प्रदर्शनियां, भोजन और व्यंजन आदि के बारे में प्रदान की जाती है।
- डीटीटीडीसी कारों और कोचों द्वारा नियमित पर्यटन भी संचालित करता है। इन्हें डीटीटीडीसी सूचना कार्यालयों और वेबसाइट से भी बुक किया जा सकता है।
- डीटीटीडीसी दिल्ली में पर्यटन के प्रचार और विकास के उद्देश्य से मुफ्त पर्यटक साहित्य भी तैयार और वितरित करता है।

6.2 जल क्रीड़ा गतिविधियाँ

दिल्ली के लोगों को अवकाश नौका विहार प्रदान करने का विचार वर्ष 1991 में किया गया था। दिल्ली में संभावित जल निकायों की पहचान करके, डीटीटीडीसी ने भूमि–स्वामित्व वाली एजेंसियों से संपर्क किया और समय के साथ, विभिन्न झीलों को पूरी तरह से नौका विहार अधिकारों के साथ डीटीटीडीसी को आवंटित किया गया। । वर्तमान में डीटीटीडीसी, दिल्ली में 03 झीलों यानी नैनी झील मॉडल टाउन, भलस्वा झील, संजय झील में नौका विहार की सुविधा उपलब्ध करा रहा है।

6.3 समूह भ्रमण

6.3.1 डीटीटीडीसी समूह भ्रमण, कस्टमाइज्ड टूर, स्कूलों/कॉलेजों के समूहों के लिए एजुकेशनल टूर भी आयोजित करता है। कार्यालय और सरकारी संगठनों के लिए विशेष रुचि टूर आयोजित किए जाते हैं।

6.3.2 'युवा योजना' के तहत दिल्ली सरकार के स्कूलों के लिए, शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षिक दौरों का वित्त पोषण किया जाता है। दिल्ली पर्यटन को अन्य सरकारी पर्यटन निकायों के साथ इन कार्यक्रमों के संचालन के लिए शिक्षा विभाग द्वारा नामित किया गया है। इस योजना के तहत स्कूल के प्रत्येक बच्चे को दिल्ली के भीतर कम से कम एक स्थानीय दौरे पर ले जाया जाता है। स्कूल ऐतिहासिक और शैक्षिक रुचि के स्थानों पर जा सकते हैं जिनमें लाल किला, कुतुब मीनार, इंडिया गेट, जूलॉजिकल पार्क, राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र, राष्ट्रीय संग्रहालय और प्रमुख पार्क और उद्यान जैसे हिरण पार्क, लोधी गार्डन, असोला वन्यजीव अभयारण्य आदि शामिल हैं।

6.4 यात्रा

6.4.1 डीटीटीडीसी का ट्रैवल डिवीजन ,नवंबर 1996 में स्थापित किया गया था और इसने अप्रैल 1997 में टिकटिंग और विदेशी मुद्रा सेवा में नियमित संचालन शुरू किया। यह डिवीजन दिल्ली हाट आईएनए, नई दिल्ली से संचालित होता है।

6.4.2 डिवीजन का मुख्य उद्देश्य पर्यटकों, दिल्ली सरकार, इसके स्वायत्त निकायों, सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और भारत सरकार के विभागों के अधिकारियों को एकीकृत यात्रा सेवाएं प्रदान करना है। इसके बाद, ट्रैवल डिवीजन ने ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीएएआई) और ट्रैवल एजेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीएएफआई) का सदस्य बनने के अलावा अंतर्राष्ट्रीय हवाई टिकट जारी करने और पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार की सदस्यता के लिए इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) की सदस्यता ली।

6.4.3 विदेशी मुद्रा सेवाएं प्रदान करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक से पूर्ण मनी चेंजर लाइसेंस भी प्राप्त किया गया था। यह प्रभाग अपने ग्राहकों के लिए वीजा और यात्रा बीमा के लिए भी समन्वय करता है। सरकारी अधिकारियों और सामान्य ग्राहकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय होटल आवास की भी व्यवस्था की जाती है।

6.4.4 राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार ने समय–समय पर जारी अपने परिपत्र के अनुसार घरेलू, अंतर्राष्ट्रीय हवाई टिकटों की आवश्यकता और सभी विदेशी मुद्रा आवश्यकताओं के लिए डीटीटीडीसी को सूचीबद्ध किया है।

6.5 मेलों और उत्सवों का आयोजन

दिल्ली पर्यटन दिल्ली में कई मेलों और त्योहारों का आयोजन करता है। दिल्ली पर्यटन न केवल विदेशी पर्यटकों के लिए बल्कि घरेलू यात्रियों और दिल्ली के नागरिकों के लिए भी इस राजधानी शहर को एक पर्यटक और सांस्कृतिक अनुकूल गंतव्य के रूप में प्रदर्शित करने के लिए दिल्ली में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सक्रिय रूप से आयोजन कर रहा है। सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देना भारतीय पर्यटन नीति का मुख्य आधार रहा है और तदनुसार, हमारे देश की समृद्ध विरासत और विशेष रूप से दिल्ली को समय–समय पर एक शहर के रूप में पेश किया गया है। राष्ट्रीय और

अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के अलावा, दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की अपनी अनुमानित जनसंख्या लगभग 2 करोड़ है।

6.6 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन कार्यक्रमों में भागीदारी

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम किसी भी राज्य पर्यटन संगठन के लिए पर्यटन संवर्धन प्रयासों का अभिन्न अंग हैं। भारत सरकार का पर्यटन मंत्रालय, राज्य पर्यटन बोर्ड और अग्रणी ट्रैवल ट्रेड एसोसिएशन पूरे वर्ष देश के भीतर और बाहर ट्रैवल मार्ट/सम्मेलन आयोजित करते हैं, जिनमें व्यावसायिक प्लेटफार्मों पर प्रचार के लिए अपने उत्पादों का प्रदर्शन करने के लिए अधिकांश राज्य पर्यटन निगमों, विभिन्न देशों के पर्यटन बोर्डों, होटल व्यवसायियों, एयरलाइंस, ट्रैवल एजेंटों टूर ऑपरेटरों, रेल मंत्रालय, नागरिक उड्डयन मंत्रालय , साहसिक पर्यटन निकायों आदि की सक्रिय भागीदारी होती है। डीटीटीडीसी उद्योग के ऐसे प्रमुख यात्रा आयोजनों में भी भाग लेता है जिसका एकमात्र उद्देश्य ब्रांड दिल्ली और राजधानी को एक पर्यटक अनुकूल गंतव्य के रूप में बढ़ावा देना है।

6.7 डीटीटीडीसी, सरकार की कार्यकारी एजेंसी होने के नाते, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार वरिष्ठ नागरिकों के लिए मुख्यमंत्री दिल्ली दर्शन योजना और मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना लागू कर रही है।

- **मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना:** इस योजना का उद्देश्य दिल्ली के उन नागरिकों को सरकारी सहायता प्रदान करना है, जिनके पास योजना में बताए गए 17 स्थानों में से किसी एक की तीर्थ यात्रा करने के लिए मान्य साधन नहीं हैं। योजना के तहत आवेदक दिल्ली का निवासी वरिष्ठ नागरिक होना चाहिए। इस योजना का लाभ पात्र व्यक्ति जीवन में केवल एक बार उठा सकता है। यह योजना डीटीटीडीसी के कोच टूरके माध्यम से क्रियान्वित की जा रही है। इस कार्यक्रम के तहत, 2021–22 के दौरान जनवरी, 2021 तक दिल्ली के 3937 वरिष्ठ नागरिकों ने विभिन्न तीर्थ (अयोध्या, द्वारकाधीश और रामेश्वरम) की यात्रा की है।

7. सरकार द्वारा की गई पहल

7.1 **दिल्ली के प्रवेश बिंदुओं का सौंदर्यीकरण:** दिल्ली सरकार ने दिल्ली के प्रवेश द्वारों के सौंदर्यीकरण और प्रवेश द्वारों के निर्माण के लिए एक अवधारणा योजना तैयार की है। दिल्ली में प्रवेश बिंदुओं का सौंदर्यीकरण दिल्ली में प्रवेश करने वाले यात्रियों के लिए एक सौंदर्यपूर्ण दृश्य प्रस्तुत करेगा। पहले चरण में टिकरी कलां बॉर्डर, मयूर विहार बॉर्डर, कापसहेड़ा बॉर्डर, अप्सरा बॉर्डर, आनंद विहार, डीएनडी बॉर्डर पर सौंदर्यीकरण और मेकओवर करने के लिए छह प्रवेश बिंदुओं की पहचान की गई है।

7.2 **दिल्ली की दिवाली:** सरकार ने पटाखों को जलाए बिना पर्यावरण के अनुकूल तरीके से दिवाली मनाने की पहल की और सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ एक लेजर शो का आयोजन किया जिसे व्यापक रूप से सराहा गया और दिल्ली के लोगों को एक बहुत अच्छा संदेश दिया गया। 2019–20 के दौरान कनॉट प्लेस में, 2020–21 के दौरान अक्षरधाम मंदिर में और 2021–22 के दौरान त्यागराज स्टेडियम में 'दिल्ली की दिवाली' मनाई गई।

7.3 **दिल्ली विरासत प्रोत्साहन योजना:** इस योजना में दिल्ली में पर्यटन को संधारणीय बनाने के लिए स्थानीय समुदायों, कारीगरों, शिक्षाविदों, पेशेवर विशेषज्ञों आदि की भागीदारी की परिकल्पना की

गई है। यह योजना कला और संस्कृति विभाग और पुरातत्व विभाग, जीएनसीटीडी के साथ निकट समन्वय में लागू की जाएगी। पुरातत्व विभाग द्वारा चिन्हित किए गए कम लोकप्रिय स्मारकों को विभिन्न माध्यमों से बढ़ावा दिया जाएगा अर्थात उन्हें कुछ वित्तीय लाभ या छूट देकर या उनका मार्गदर्शन करके और दिल्ली विरासत संवर्धन के लिए मदद की जाएगी।

7.4 दिल्ली पर्यटक सर्किटों का विकास

दिल्ली टूरिस्ट सर्किट के रूप में अछूते पर्यटन क्षेत्रों का विशाल दायरा यात्रियों और आगंतुकों को समान रूप से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों को मनमोहक अनुभव प्रदान करेगा। नए पर्यटन सर्किटों के विकास से न केवल रोजगार पैदा होगा बल्कि अभी तक कम ज्ञात ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण स्थानों को बहाल करने, संरक्षित करने में भी मदद मिलेगी। ये स्थान प्रसिद्ध स्थलों को अन्य सांस्कृतिक और भौगोलिक रूप से समृद्ध पर्यटन क्षेत्रों से जोड़ेंगे और दिल्ली को एक वैश्विक ब्रांड के रूप में बढ़ावा देंगे।

7.5 मोबाइल ऐप का विकास

27.09.2021 को विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर, पर्यटन विभाग, जीएनसीटीडी द्वारा एक समर्पित ऐप 'देखो मेरी दिल्ली'लॉन्च किया गया। यह पर्यटकों की सुविधा के लिए वन–स्टॉप सेंटर के रूप में लोकप्रिय बाजार स्थानों और भोजनालयों सहित दिल्ली के सभी प्रमुख पर्यटन स्थलों को पर्यटन संबंधी जानकारी और टिकट प्रदान करता है। ऐप दिल्ली के बारे में जानकारी के लिए छह अनोखे तरीके पेश करता है, जो दुनिया भर से दिल्ली आने वालों के लिए बेहद उपयोगी होगी।

7.6. बिस्तर और नाश्ता योजना

7.6.1 यह योजना अक्टूबर 2007 के महीने में शुरू हुई और वर्ष 2019–20 के दौरान दिल्ली आने वाले पर्यटकों को बजट आवास प्रदान करने तथा पारंपरिक भारतीय गृह संस्कृति का आनंद लेने और परिवारों के समर्थन तथा सुरक्षा का विश्वास हासिल करने और सुखद यादों के साथ वापस जाने के लिए जारी रही। 'दिल्ली में बेड एंड ब्रेकफास्ट आवास' में दो श्रेणियों की सुविधाएं हैं यानी रजत और स्वर्ण । स्वर्ण श्रेणी के लिए पंजीकरण शुल्क 5000/– रुपये और रजत श्रेणी के लिए 3000/–रुपये है। इन श्रेणियों के तहत उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं विवरण 10.2 में दी गई हैं:

विवरण 10.5
रजत और स्वर्ण की श्रेणियों के तहत उपलब्ध बुनियादी सुविधाएं

सुविधाएं	रजत	स्वर्ण
कमरे का तल क्षेत्र	120 वर्गफुट	200 वर्गफुट
बाथरूम का आकार	30 वर्गफुट	40 वर्गफुट
वॉशिंग मशीन	अनिवार्य नहीं	अनिवार्य
कमरे में फ्रिज	अनिवार्य नहीं	अनिवार्य
एक्सटेंशन के साथ टेलीफोन	अनिवार्य नहीं	अनिवार्य

7.6.2 योजना के तहत पंजीकृत प्रतिष्ठानों में डबल बेड, एसी, टेलीफोन सुविधाओं के साथ सुसज्जित कमरे की सुविधा के साथ–साथ अग्निशमन यंत्र आदि सुरक्षा की आवश्यकताएं प्रदान की जाती हैं। प्रतिष्ठान को अधिकतम 06 कमरे दिए जा सकते हैं।

7.6.3 इस योजना के अंतर्गत 31.03.2021 और 25.02.2022 तक पंजीकृत स्वर्ण एवं रजत श्रेणी के प्रतिष्ठान तथा कमरों की कुल संख्या और वित्तीय वर्ष 2021–22 का लक्ष्य विवरण 10.3 में दिया गया है:

विवरण 10.6

श्रेणी	31.03.2021 तक की स्थिति		लक्ष्य 2021–2022		25.02.2022 तक स्थिति	
	प्रतिष्ठानों की संख्या	कमरों की संख्या	प्रतिष्ठानों की संख्या	कमरों की संख्या	प्रतिष्ठानों की संख्या	कमरों की संख्या
स्वर्ण	37	174	40	191	23	115
रजत	308	1451	340	1599	319	1585
कुल	**345**	**1625**	**380**	**1790**	**342**	**1700**

7.6.4 योजना के तहत पंजीकृत बिस्तर और नाश्ता प्रतिष्ठानों की सूची डीटीटीडीसी की वेबसाइट पर उपलब्ध है और दिल्ली में बिस्तर और नाश्ता आवास की निर्देशिका भी समय–समय पर प्रकाशित और वितरित की गई थी।

8. आगे का रास्ता

8.1 दिल्ली पर्यटन दिल्ली के लिए एक व्यापक संचार रणनीति तैयार करने के लिए एक 360^0 ब्रांडिंग एजेंसी को शामिल करने की प्रक्रिया में है। एजेंसी सभी उपलब्ध मीडिया माध्यमों के लिए रचनात्मक अवधारणाओं के लिए जिम्मेदार होगी, चाहे वह पारंपरिक, इलेक्ट्रॉनिक या डिजिटल हो, और मीडिया योजना तैयार करेगी जिसके अनुसार निगम /राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा प्रस्तुत रचनात्मक सामग्री का वितरण किया जाएगा। डिजिटल क्षेत्र में एक कदम आगे बढ़ाते हुए, दिल्ली पर्यटन एक मोबाइल एप्लिकेशन पर भी काम कर रहा है ताकि पर्यटकों को राजधानी के स्थलों का बेहतर आनंद मिल सके। डीटीटीडीसी की सोशल मीडिया उपस्थिति बढ़ाने के प्रयास भी जारी रहेंगे।

8.2 एक नोडल एजेंसी होने के नाते, डीटीटीडीसी फिल्म निर्माण सुविधा के लिए 'सिंगल विंडो क्लीयरेंस मैकेनिज्म' शुरू करने की प्रक्रिया में है ताकि शहर में शूटिंग के लिए कानूनी औपचारिकताएं केवल एक सरकारी कार्यालय में जाकर की जा सकें। फिल्म निर्माताओं को अनुमति प्रदान करने, दिल्ली के विभिन्न विभागों और सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी निर्देशों/दिशानिर्देशों पर समेकित जानकारी प्रदान करने और फिल्म शूटिंग को एक परेशानी मुक्त अनुभव बनाने के लिए एक सहज प्रणाली शुरू करने के कई कदम उठाए जा रहे हैं। दिल्ली फिल्म नीति प्रस्तुत की जा रही है जिसे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के ई–पोर्टल से जोड़ा जाएगा।

उद्देश्य– दिल्ली को फिल्म शूटिंग स्थान के रूप में बढ़ावा देने से निम्नलिखित लाभ होंगे:

- अधिक पर्यटकों की आमद से सभी हितधारकों –होटल, परिवहन, शूटिंग राजस्व, आदि के राजस्व में बढ़ौत्तरी।

- रोजगार के अवसरों में वृद्धि।
- समग्र सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि।
- पर्यटन को बढ़ावा।
- पर्यटन स्थल के रूप में दिल्ली की वैश्विक उपस्थिति को बढ़ाना।

8.3 दिल्ली सरकार ने सभी प्रवेश बिंदुओं के सौंदर्यीकरण और दिल्ली के प्रवेश द्वारों के निर्माण के लिए एक अवधारणा योजना तैयार की है। दिल्ली में प्रवेश करने वाले यात्रियों को प्रवेश बिंदुओं पर सौंदर्यपूर्ण दृश्य दिखेगा। पहले चरण में टिकरी कलां बॉर्डर, मयूर विहार बॉर्डर, कापसहेड़ा बॉर्डर, अप्सरा बॉर्डर, आनंद विहार, डीएनडी बॉर्डर पर सौंदर्यीकरण और मेकओवर करने के लिए छह प्रवेश बिंदुओं की पहचान की गई है। दूसरे चरण में सौंदर्यीकरण के लिए छह और प्रवेश बिंदुओं की पहचान की जाएगी।

8.4 दिल्ली पर्यटन द्वारका, नई दिल्ली में स्टेट गेस्ट हाउस (दिल्ली) – 'दिल्ली सदन' के निर्माण की प्रक्रिया में है। दिल्ली के लोगों के बीच सांस्कृतिक मूल्यों के आदान–प्रदान के लिए आने वाले वर्षों में 'पूर्वांचल महोत्सव' नामक एक उत्सव मनाया जाएगा।

कोविड–19 महामारी ने दिल्ली के आर्थिक विकास और समग्र विकास के लिए पर्यटन को एक सतत वाहक बनाने के लिए फिर से तैयार करने का अवसर प्रदान किया है।